डी. ए. वी. पब्लिक स्कूल, वेलचेरी, चेन्नई – 42

राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2021

समय की आवश्यकता है कि –

मिलकर यह सब प्रण करें, अशिक्षा का अंधकार हरें,

शत – प्रतिशत साक्षरता का बीड़ा उठाएँ, आइए हम एक–एक को पढ़ाएँ ।

डी. ए. वी. पब्लिक स्कूल, चेन्नई के तत्त्वावधान में लोगों को साक्षरता के महत्त्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए राष्ट्रीय साक्षरता दिवस गूगल मीट के माध्यम से यू ट्यूब में लाइव स्ट्रीम किया गया । इस समारोह का शुभारंभ प्रभावशाली गायत्री मंत्र के साथ हुआ । नवीं कक्षा की छात्रा हर्षिता ने साक्षरता को परिभाषित करते हुए कहा कि साक्षरता में वह क्षमता है जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा को बढ़ा सकता है । विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया ।

कक्षा नवीं की तीन छात्राएँ – टी. भारगवी, एम.सी. लक्ष्मी श्री और ए. हरिणी ने महान व्यक्तित्व रवींद्रनाथ टैगोर, के. कामराज और डॉ. एस राधाकृष्णन के बीच वर्तमान शिक्षा प्रणाली के बारे में एक काल्पनिक वार्तालाप प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने कहा कि शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है, जिससे व्यक्ति की आंतरिक क्षमताएँ बाह्य रूप में अभिव्यक्त होती है । कार्यक्रम के दूसरे चरण में तीन प्रतिष्ठित हस्तियॉ – देश की पहली नेत्रहीन महिला आईएएस अफ़सर सुश्री प्रांजल पाटिल, महिला पुलिस उपनिरीक्षक सुश्री एनी शिवा और विद्यार्थी सुश्री शालिनी अर्नुगम के बारे में एक वीडियो प्रस्तुति की गई, जिसमें यह दिखाया गया कि कैसे इन्होंने विभिन्न संघर्षों के बावजूद साक्षरता के माध्यम से अपनी एक विशिष्ट पहचान हासिल की ।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए नवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने कोविड–19 की महामारी की स्थिति में दर्शकों को डिजिटल शिक्षा प्रणाली से अवगत कराया । कक्षा दसवीं के छात्र–छात्राओं ने तमिल के पारंपरिक विल्लु पाट्टु द्वारा यह समझाया कि जीवन में सफलता और बेहतर जीवन के लिए भोजन की तरह ही साक्षरता भी महत्त्वपूर्ण है । फिर ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षाओं की शिक्षिकाओं ने सामाजिक ज़िम्मेदारी और सहानुभूति के बारे में एक भावात्मक फ़ोटो गैलरी प्रस्तुत कर दर्शकों में परोपकार की भावना का संचार किया । संपूर्ण कार्यक्रम शिक्षाप्रद, ज्ञानवर्धक एवं नवीनता से परिपूर्ण रहा । अंत में धन्यवाद ज्ञापन एवं शांति पाठ के साथ समारोह का समापन हुआ ।

डिजिटल शिक्षा प्रणाली